नवदीप कौर से नहीं मिलने दिया गया भीम आर्मी प्रमुख को

करनाल (म.मो.) : भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण करनाल जेल में बंद दलित एक्टिविस्ट नवदीप कौर से मिलने पहुंचे। लेकिन उन्हें नवदीप कौर से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि जेल प्रशासन इसके पीछे के कारण बताए, वो सही नहीं है। सरकार तो तय करके बैठी है कि किसी को नवदीप कौर से नहीं मिलने देना। 13 फरवरी से नवदीप कौर से मिलने के लिए परमिशन के लिए अप्लाई किया गया था, ईमेल किया गया, पत्र भेजे गए, बावजूद इसके उन्हें परमिशन नहीं दी गई। भीम आर्मी प्रमुख ने बताया कि नवदीप कौर किस हालात में है, उसने क्या-क्या टॉर्चर झेला है। ये जानना और उसे सार्वजनिक करना जरूरी है।

भीम आर्मी प्रमुख ने कहा कि उन्हें वकील के जरिए पता चला है कि नवदीप कौर को पढ़ने-लिखने के लिए कागज-पेन नहीं दिया जा रहा है, जो गलत है। ये तो जेल में बंद हर एक का अधिकार है। इस अधिकार से उन्हें वंचित नहीं किया जा सकता।

पहली बरसी पर खिराज-ए-अकीदत

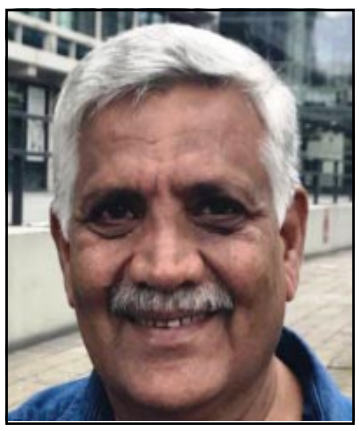

लाहौर से प्रकाशित पाक्षिक अखबार 'जद्दोजहद' के सम्पादक डॉक्टर लाल खान जो पाकिस्तान में कठ मुल्लावाद, आतंकवाद व फौजी हुकूमतों के खिलाफ ताउम्र लड़ते रहे, दिनांक 21 फरवरी 2020 को कैंसर से हार गये थे। भगत सिंह से प्रेरणा लेने वाले और कई किताबों के लेखक डॉ. खान स्वर्गीय कुलदीप नैय्यर से मिलकर भारत-पाक मैत्री के लिए पुरजोर प्रयास करते रहे। मजदूर मोर्चा परिवार उन्हें पहली बरसी पर खिराज-ए-अकीदत पेश करता है।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. **प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।**
2. **रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन**
3. **एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।**
4. **जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207**
5. **राम खिलावन-बल्लभगढ़ बस स्टैंड के सामने 9891164794**
6. **मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919**
7. **सुरेन्द्र बघेल - बस अड्डा होडल - 9991742421**

टिकट के झांसे में प्रवेश मेहता को....

पेज एक का शेष

और दूसरा लोकसभा का। लेकिन आरोपों के बावजूद पैसों के लेनदेन का कभी कोई खंडन दोनों तरफ से नहीं हुआ। पिछले दिनों ओल्ड फरीदाबाद मार्केट में विधायक नरेन्द्र गुप्ता की बेइज्जती के बाद गूर्जर बहुत तिलमिलाये हुए हैं। यही वजह है कि मार्केट और सेक्टरों में रह रहे पंजाबी लोगों को पटाने के मकसद से प्रवेश मेहता की वापसी भाजपा में कराई गई है।

विपुल गोयल अभी भी भाजपा में हैं और उनकी लोकप्रियता का ग्राफ गिरा नहीं है। लेकिन गूर्जर की हठधर्मी की वजह से भाजपा आलाकमान ने विपुल गोयल को राजनीतिक हाशिए पर ढकेल रखा है। भाजपा और खट्टर चाहते तो विपुल गोयल को किसी निगम या संस्था का चेयरमैन बनाकर उन्हें गूर्जर के लिए चुनौती बनाये रखते लेकिन भाजपा आलाकमान गूर्जर के सामने भीगीबिल्ली बना हुआ है। भाजपा में विपुल गोयल के लिए लगभग सारे रास्ते बंद हैं। भाजपा में उनकी दोबारा ताजपोशी के सारे रास्ते गूर्जर ने बंद कर दिए हैं। अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा आलाकमान के रूप में नरेन्द्र गुप्ता और प्रवेश मेहता में से किसी एक को चुनना होगा। प्रवेश मेहता की भाजपा में वापसी से नरेन्द्र गुप्ता का भी मानसिक तनाव बढ़ेगा और वो हमेशा कृष्णपाल गूर्जर के सामने हाथ बांधकर जी हजूरी में लगे रहेंगे। इस तरह गूर्जर ने बहुत शातिराना ढंग से अपनी चालें चल रहे हैं।

बेटा मेयर बने तो गंगा नहाएंगे गूर्जर

कृष्णपाल का अब एक ही सपना है कि उनका बेटा देवेन्द्र चौधरी शहर का मेयर बन जाए। प्रवेश मेहता की पार्टी में वापसी इस रास्ते को और आसान बनाएगी। हाल ही में गूर्जर के दबाव पर मुख्यमंत्री ने 26 गांवों को फरीदाबाद नगर निगम क्षेत्र में शामिल किया है। यह भी एक राजनीतिक कदम था ताकि देवेन्द्र की जीत को पुख्ता किया जा सके। लेकिन मात्र 26 गांवों को शामिल करने से ही यह जीत तय नहीं हो जाती, इसमें शहरी मतदाताओं और खासकर पंजाबी मतदाताओं का बड़ा योगदान रहेगा। एनआईटी इलाके का मोर्चा तो सीमा त्रिखा केन्द्रीय मंत्री के लिए संभाल लेंगी लेकिन फरीदाबाद के सेक्टरों में पंजाबियों को रास्ते पर लाने के लिए प्रवेश मेहता का प्रवेश कराया गया है।

गूर्जर के इस राजनीतिक पैंतरे से भाजपा में उनके विरोधियों को फिलहाल कुछ सूझ नहीं रहा है कि वे कृष्णपाल की शातिराना राजनीति का सामना किस तरह करें। उन्होंने यह देख लिया कि उनकी शिकायतों पर पार्टी आलाकमान ने आजतक कोई सुनवाई नहीं की। लेकिन गूर्जर का इतना मजबूत होना

भाजपा में कुछ लोगों को पसंद नहीं आ रहा। भाजपा में इतनी मजबूती को माना जाता +है कि व्यक्ति का कद पार्टी से बड़ा हो गया। वैसे भी कृष्णपाल गूर्जर मूलरूप से आरएसएस कैडर से भी नहीं हैं। उनका मूल तो देवीलाल टाइप समाजवाद रहा है। ऐसे में भाजपा आलाकमान उन्हें इतना मजबूत कैसे होने दे रहा है, लोगों की जिज्ञासा उस सूत्र को जानने की बढ़ती जा रही है।

प्रवेश मेहता की राजनीति

भाजपा छोड़ने के बावजूद प्रवेश मेहता का दिलदिमाग भाजपा में ही था। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल से भाजपा के प्रचार को आजतक नहीं हटाया था। 2014 में उनका आखिरी ट्वीट भाजपा के लिए था। इसके बाद उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर कोई गतिविधि नहीं की। उनकी नाराजगी मात्र कृष्णपाल गूर्जर से थी भाजपा या आरएसएस से नहीं थी। बतौर पार्षद अपना राजनीतिक कैरियर बनाने वाले प्रवेश मेहता की एकमात्र हसरत शहर का विधायक बनना है।

समझा जाता है कि उन्हें अब कृष्णपाल गूर्जर की शतरंजी चाल पर पूरा भरोसा हो गया है तभी वो टिकट मिलने के आश्वासन के बाद पार्टी में लौटे हैं। प्रवेश मेहता को उम्मीद है कि गूर्जर ने जिस तरह विपुल गोयल का टिकट काटा था, ठीक उसी तरह वो नरेन्द्र गुप्ता का भी टिकट काट देंगे और अगली बार उन्हें भाजपा टिकट मिलना तय है।

हूडा दफ्तर में रिश्वतखोरी.....

प्लॉट पर कई गेट बनाकर और आगे पक्का निर्माण कर जमीन में बारिश के पानी जाने का रास्ता रोक दिया गया है

पेज एक का शेष

सिर्फ 21 और 46 में की ही हुडा की मार्केटों में अवैध कब्जे नहीं हैं, बल्कि अब हर सेक्टर की हुडा मार्केट में अवैध कब्जे हो गए हैं। दुकानदारों ने अपनी दुकान के ठीक सामने फल, सब्जी, चाट, चाइनीज फूड की चलती-फिरती दुकानें लगवा रखी हैं। इनके जरिए दुकानदार अतिरिक्त कमाई करते हैं। लेकिन इन चलती-फिरती दुकानों से आम जनता का ऐसी मार्केट में चलना-फिरना दूभर होता जा रहा है। सेक्टर 37, सेक्टर 30-31, सेक्टर 28, सेक्टर 29, सेक्टर 15, सेक्टर 16 में ऐसे अवैध कब्जों को हुडा अफसर अपनी नंगी आंखों और चश्मा लगाकर भी देख सकते हैं। सेक्टर 37, 28 और 29 में यह समस्या कुछ ज्यादा ही गंभीर हो चली है।

कोठियों में ओयो रूम और स्पा सेंटर

शहर में कुकुरमुत्तों की तरह उग आए ओयो रूम्स और स्पा सेंटर अब घरों में जा पहुंचे हैं। शहर में ओयो रूम्स कानून व्यवस्था के लिए खतरा तो बने ही हुए हैं लेकिन हुडा और फरीदाबाद नगर निगम को इनसे आर्थिक नुकसान हो रहा है।

हाल ही में शहर के कई ओयो रूम्स में आत्महत्या और हत्या की घटनाएं हुई हैं लेकिन इनकी आड़ में बढ़ती वेश्यावृत्ति ने इलाके के लोगों का जीना दूभर कर दिया है। सेक्टर 21 और 46 में कई ओयो रूम्स कोठियों में हैं।

इसी तरह स्पा सेंटर भी कोठियों में खुल गए हैं। जहां दिल्ली से लड़कियां लाई जाती हैं और ग्राहक भी दिल्ली से ही आते हैं। सेक्टरों में मुहल्लेदारी व्यवस्था न होने का खामियाजा अब लोग भुगत रहे हैं, क्योंकि घरों में चल रहे वेश्यावृत्ति के ऐसे अड्डों का अकेला पड़ोसी विरोध भी नहीं कर पाता। कुछ लोगों ने आरडब्ल्यूए को भी सूचित किया लेकिन आरडब्ल्यूए ने कोई कार्रवाई नहीं की। सेक्टर 46 में एक स्पा सेंटर ऐसी कोठी में चल रहा है, जिसका मालिक खुद को बड़ा चौधरी बताता है।

गतांक की चीर-फ़ाड़

शिक्षा क्षेत्र की बदहाली के बारे में हरियाणा सरकार का उदासीन रुख

डॉ. जुगल किशोर गुप्ता

मज़दूर मोर्चा के 14-20 फ़रवरी 2021 के अंक में समसामयिक ज्वलंत मुद्दों पर अनेक महत्वपूर्ण समाचार व लेख प्रकाशित हुए हैं। केन्द्र में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद आरएसएस और भाजपा देश के सभी राज्यों में कई एकड़ ज़मीन लेकर उन पर विशाल भवन निर्माण करके अपनी अचल सम्पत्तियां खड़ी करने में लगे हुए हैं, जिन पर करोड़ों रुपये खर्च किये जा रहे हैं। '150 करोड़ में बना हरियाणा का संघ मुख्यालय दे रहा करप्शन की गंध' के जरिए दिल्ली-पानीपत मार्ग पर स्थित पट्टीकल्याणा गांव में हरियाणा आरएसएस मुख्यालय (सेवा साधना केन्द्र) के विशाल भवन के निर्माण में हुए भ्रष्टाचार के संदर्भ में सत्ता व प्रशासन तंत्र के गठजोड़ का पर्दाफ़ाश किया गया है।

दरअसल ईमानदार और राष्ट्रवादी संगठन होने का दावा ठोकने वाले आरएसएस के कई भवन भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़े हैं।

शिक्षा क्षेत्र के बदहाली के बारे में हरियाणा सरकार उदासीनता का रूख अपनाए हुए हैं और हरियाणा उच्च शिक्षा विभाग राजकीय महाविद्यालयों की शिकायतों और आर्थिक घोटालों के मामलों में चुप्पी साधे हुए हैं। 'नेहरू कॉलेज :घोटलों में घिरा पूर्व प्रिंसिपल रावत, लाखों का इग्नू फंड गायब, जांच शुरू' में जवाहर लाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय , फ़रीदाबाद के पूर्व कार्यकारी प्रिंसिपल ओम प्रकाश रावत के खिलाफ़ अनियमितताओं व आर्थिक घोटालों का खुलासा किया गया है।

ध्यान रहे कि नेहरू कॉलेज पहला कॉलेज नहीं है जिसके प्रिंसिपल के खिलाफ़ शिकायते हैं। दो-तीन साल पहले पड़ोस के राजकीय महिला महाविद्यालय की प्रिंसिपल और क्लर्क के खिलाफ़ भी आर्थिक घोटाले के मामले का भंडाफ़ोड़ मज़दूर मोर्चा ने किया था। हरियाणा के अनेक सरकारी कॉलेजों की शिकायतें हरियाणा उच्च शिक्षा विभाग में पहुंचती रही हैं। लेकिन उन शिकायतों पर कोई ठोस कार्यवाई करने की बजाए आपसी मिलीभगत से उन्हें दवा दिया जाता है। स्पष्ट है कि घोटालेबाजों के तार सत्ता व प्रशासन से जुड़े होने के कारण कॉलेजों में भ्रष्टाचार की जड़े मज़बूत हो रही हैं।

भीमा कोरेगांव केस, सीएए व एनआरसी के विरुद्ध शाहीन बाग आन्दोलन के दौरान उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों, जेएनयू छात्र संघ व शिक्षक संघ पर हुए हमले के मामले तथा किसान आन्दोलन के दौरान गणतंत्र दिवस पर लाल किले पर प्रायोजित हिंसक मामले में दिल्ली पुलिस व सोनीपत (हरियाणा) पुलिस की जांच पर पेशेवर निष्ठा के बजाए राजनीतिक सत्ता के प्रति राजभक्ति के लग रहे आरोपों की 'जब पुलिस की जांच पहेली बन जाती है' तथा बुटाना भूल गए....सोनीपत में नवदीप कौर के साथ होनी ही थी यह दरिंदगी-देश की अदालतें बेकसूरों को जेल में रखने पर सवाल नहीं कर रही है' में समीक्षा की गई है। कविता 'झूठी खबरों का व्यापार' में मोदी सरकार द्वारा प्रचार तंत्र टीवी चैनल, अखबारों, पत्रकारों तथा रिपोर्टरों पर अंकुश लगाकर अपनी सरकार के पक्ष के नैंगेटिव को ही सत्य प्रचारित करने व थोंपने के प्रयासों को व्यंग्यात्मक शैली में उजागर किया गया है।

महत्वपूर्ण प्रश्न है कि करोड़ों की ज़मीन और उन पर भवन निर्माण के लिये करोड़ों रुपये कहां से आ रहे हैं। हालांकि संघ व भाजपा के पदाधिकारियों का दावा है कि इसके लिये चंदा इकट्ठा किया जाता है जबकि संघ व भाजपा द्वारा अधिकृत व्यक्ति द्वारा हरियाणा आरएसएस प्रमुख पवन जिंदल की तरह राज्यों के विभिन्न विभागों में कमाई वाले पदों को चाहने वाले अफ़सरों को मनचाही पोस्टिंग दी जाती है, जिसके बदले में उन्हें चढ़ावा चढ़ाना होता है। स्वाभाविक है कि जो अधिकारी जितना चढावा चढ़ायेगा कम से कम उससे दुगुना वह हेराफ़ेरी करके कमायेगा भी। इसके अतिरिक्त यदि किसी फ़र्म को सरकार से किसी प्रोजेक्ट का ठेका मिलता है तो उस ठेकेदार को भवन निर्माण में विभिन्न प्रकार का सहयोग ईंट, सीमेंट, सरिया व अन्य सामग्री देना पड़ता है। इन सबका खामियाज़ा तो जनता को ही भुगतना पड़ता है।

अमेरिकी फ़ोरेंसिक लैब आर्सेनल की रिपोर्ट से स्पष्ट हो गया है कि भीमा कोरेगांव के आरोपी रोना विल्सन के कंप्यूटर में वे तमाम मेल प्लांट किए गए थे जिनके आधार पर विल्सन सहित अन्य मानवाधिकारी व सोशल एक्टिविस्ट देशद्रोह और प्रधानमंत्री मोदी की हत्या की साजिश के आरोप में दो साल से जेलों में बंद हैं। इस रिपोर्ट से पुलिस की जांच शैली पर सवालिया निशान लग गए हैं। इसी तरह किसान ट्रैक्टर परेड के दौरान प्रायोजित लाल किला हिंसक मामले में मज़दूर अधिकार संगठन की नवदीप कौर, जलवायु परिवर्तन एक्टिविस्ट दिशा रवि व अन्य के विरुद्ध दर्ज मामलों में भी पुलिस की सत्ता के प्रति निष्ठा इंगित होती है।